

18.9.18

पञ्जावली पेशा हुई, वकील वाली अनुपतिप
हैं बार-बार आवान लगाई गई, फिर भी
वाली व वाली का वकील अनुपतिप है
अनः वाली का, बार पत्र अनन ए। जरी
अनन देरकी में खारीप (विजा जाल) है
पञ्जावली देशल शुभार होकर नम्रर है
कम होकर राखिल इतर ही